

प्रेषक,

देवेन्द्र पौलीवाल,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उत्तराखण्ड,  
उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 27 फरवरी, 2015

विषय-वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष की योजनाओं में सम्भावित बचतों से पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-814/1-1(15)/2014-15, दिनांक-20 फरवरी, 2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनेत्तर 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-03-औद्यानिक विकास-0302-राजभवन के उद्यानों का अनुरक्षण (भारित) के विभिन्न उपमद में प्राप्त बचतों से अनुदान संख्या-29 लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनेत्तर 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-03-औद्यानिक विकास-0302-राजभवन के उद्यानों का अनुरक्षण (भारित) उपमद-02-मजदूरी में ₹0 3,47,000/- (₹0 तीन लाख सैंतालीस हजार मात्र) के पुनर्विनियोग प्रस्ताव की संलग्न विवरणानुसार एवं कम्प्यूटर आईडी सहित आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यो हेतु स्वीकृत परिव्यय सीमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- (2) उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-318/XXVII(1)/2014, दिनांक-18 मार्च, 2014 के द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत अन्य दिशा-निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (3) धनराशि व्यय करते समय प्रक्योरमेन्ट रूल्स, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- (4) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफलों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- (5) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो वहाँ व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (6) व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- (7) योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।
- (8) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29, की उक्त योजनाओं के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नाम डाला जायेगा।

कमश:-2



- (9) यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या- 66(NP)/वित्त-4/2015, दिनांक- 27 फरवरी, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति एवं से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(देवेन्द्र पौलीवाल)  
संयुक्त सचिव।

ख्या-473/XVI(1)/15/7(1)/15, तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी, उत्तराखण्ड।
- 3- विशेषकार्याधिकारी एवं सचिव श्री राज्यपाल, राजभवन, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 5- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/कोषाधिकारी, रानीखेत उत्तराखण्ड।
- 6- वित्ति अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 8- जिला उद्यान अधिकारी, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

*(मंगल सिंह बिष्ट)*  
(मंगल सिंह बिष्ट)  
अनु सचिव।